डॉ. मनसुख मांडविया
DR. MANSUKH MANDAVIYA

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मंत्री
श्रम एवं रोज़गार
व युवा कार्यक्रम एवं खेल
भारत सरकार
Minister
Labour & Employment
and Youth Affairs & Sports
Government of India

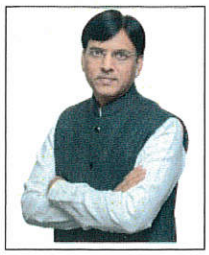

संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर श्रम और रोजगार मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन कार्यालयों के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएं ।

हमारा देश संस्कृति और भाषा की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम "हिंदी" है। यही कारण है कि आजादी के आंदोलन में अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने हिंदी को सम्पर्क भाषा बनाकर आंदोलन को गति प्रदान की । इन्हीं विशेषताओं के दृष्टिगत **भारतीय संविधान सभा द्वारा 14 सितम्बर, 1949 को भारत संघ की राजभाषा के रुप में "हिंदी" को अंगीकार किया गया और तभी से प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर का दिन "हिंदी दिवस"** के रुप में मनाया जाता है।

किसी भी देश की मौलिक सोच और सृजनात्मक अभिव्यक्ति सही मायने में स्व-भाषा में ही की जा सकती है। इसी परिप्रेक्ष्य में **भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने लिखा है "निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल" अर्थात अपनी भाषा की उन्नति ही सभी प्रकार की उन्नति का मूल है। भारत सरकार भी भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय से वैश्विक मंचों तक यथोचित सम्मान व स्थान दिलाने की दिशा में निरंतर रुप से प्रयासरत है।**

मेरे विचार से कार्यालय संबंधी कामकाज में हिंदी के सरल और सुस्पष्ट शब्दों का प्रयोग किया जाना चाहिए। मैं आज हिंदी दिवस के अवसर पर श्रम और रोजगार मंत्रालय तथा इसके अंतर्गत आने वाले सभी कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों से आग्रह करना चाहूंगा कि वे अपना सभी सरकारी काम हिंदी में करें और गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित किए गए लक्ष्यों की पूर्ण प्राप्ति सुनिश्चित करने का प्रयास करें।

जय हिंद, जय हिंदी ।

(डॉ. मनसुख मांडविया)

120, श्रम शक्ति भवन, नई दिल्ली - 110001 दूरभाष : +91-11-23717515, 23710240 फैक्स : +91-11- 23711708
120, Shram Shakti Bhawan, New Delhi-110001 Phone : +91-11-23717515, 23710240 Fax : +91-11- 23711708
ई–मेल / E-mail : minoffice-mole@nic.in